### **Institute's Best Practices**

To mark excellence, Institute follows the following best practice:

#### **Best Practice 2: Gender Inclusion**

### **Objectives:**

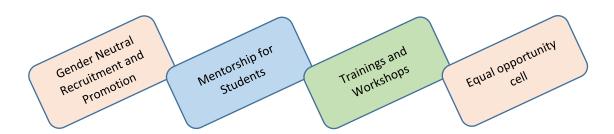
- To ensure equal opportunities for all genders.
- To create a safe, respectful and gender-equitable environment
- To inculcate and promote gender sensitivity and reduce gender stereotypes.

#### **The Context:**

As per census 2011, there are only 864 females to every 1000 males in Gwalior region. The literacy rate for females is only 63.96% and for males is 82.93% which is not adequate. Also, Gender equity is a fundamental aspect of a progressive and inclusive educational institute. Recognizing this, PIMR, Gwalior has implemented several practices to ensure equal opportunities and a supportive environment for all students, faculty and staff irrespective of gender so that diversity and inclusion is achieved. PIMR, Gwalior, promotes gender inclusion and foster a campus culture that values diversity and equity.

#### The Practice:

PIMR, Gwalior believes in providing equal opportunities, resources and support to individuals of all genders so that everyone thrives and excel in their educational pursuits. It is an integral part of the institute to create a conducive learning environment where every individual feels respected, valued, and empowered. Throughout the year various activities were done in this regard.

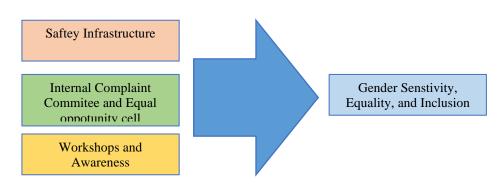


- ➤ Our students, faculty and staff members undergo regular gender sensitization workshops to promote awareness, empathy, and understanding of gender-related issues. This training equips them to create an inclusive and supportive atmosphere within their classrooms and workplaces.
- ➤ PIMR has Mentorship policy where a class of 60 students is allotted to faculty that specifically focus on supporting and guiding the students and taking care of student related issues.

- ➤ Equal Opportunity Cell at PIMRG functions as a resource center for addressing gender-related concerns and ensuring the effective implementation of gender equity policies. It organizes various workshops and training sessions to raise awareness about gender-related issues. These activities aim to foster empathy, understanding and respect for individuals of all genders.
- ➤ At PIMR Gwalior Campus safety is always a priority. The institute maintains a robust security infrastructure having cameras at all places including classrooms and provides round-the-clock support to ensure the safety and well-being of all individuals within the campus.



- ➤ PIMRG follows Gender-Neutral Recruitment Practice and Promotion Policy.
- Internal Complaint Committee is active at PIMRG where the committee works on workshops and programs against sexual harassment. Making students aware of these issues. Implementing training programs to prevent and address workplace harassment, creating a safe and respectful work environment.
- ➤ Common rooms for both Girls and Boys are available separately on the campus.
- Activities such as poster making and webinars on gender related issues are conducted from time to time.
- ➤ The Institute has adopted the practice of Gender audit from the academic year 2023.



### **Activities Supported:**

Various activities on large scale were conducted in the institute for supporting this. Seminars and workshops were conducted round the year for students for Harassment, Gender discrimination, Gender Inclusivity etc. Speakers from outside were called for these seminars and workshops. It is regularly done for both UG -PG students, faculty members and staff members.

➤ Workshop on POSH was conducted for all MBA students on 28/06/2023 by Captain Moushumi Mukherjee Rana, retired Indian Army Lady Officer and a Corporate Trainer. More than 250 students participated in the workshop.



# प्रेस्टीज में यौन उत्पीड़न से संरक्षण एवं जागरुकता विषय पर कार्यशाला आयोजित

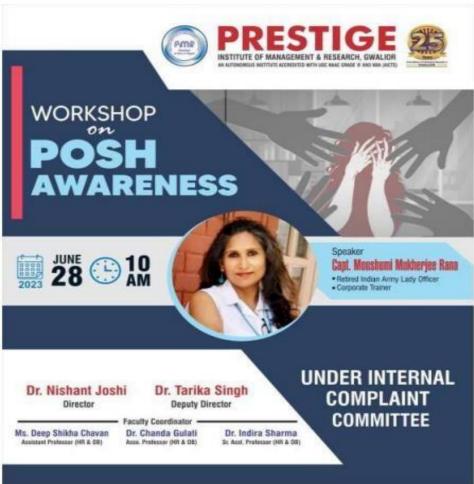
ग्वालियर। जातव्य है कि प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान ग्वालियर की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया इसका विषय यौन उत्पीडन से संरक्षण एवं जागरूकता था। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर कैप्टन मौसमी मखर्जी राणा उपस्थित रहीं। कैप्टन राणा भारतीय सेना की महिला विंग अधिकारी रह चुकी हैं और वर्तमान में सप्रसिद्ध कॉरपोरेट ट्रेनर हैं। इस कार्यशाला में कैप्टन राणा ने बताया कि लैगिक अपराधों से संबंधित क्या काननी प्रावधान दिए गए हैं एवं महिलाओं को अपने विरुद्ध हुए इस प्रकार के अपराधों के विरुद्ध कहाँ प्राथमिकी दर्ज कराना चाहिए, साथ ही साथ उन्होंने भारतीय संविधान एवं अन्य दण्ड विधानों का भी उल्लेख किया। संस्थान के निदेशक डॉक्टर निशांत



जोशी ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना एवं शिकायत निवारण की प्रक्रिया से परिचित कराना था।उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से छात्र छात्राओं को विधिक अधिकारों का जान होगा।

संस्थान की उपनिदेशिका डॉ. तारिका सिंह सिकरवार ने बताया कि संस्थान में गठित आंतरिक शिकायत समिति द्वारा इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन पूर्व में भी कराया जाता रहा है एवं भिवष्य में आगे भी इसे आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की मुख्य समन्वियका सुश्री दीपशिखा चव्हण ने बताया कि संस्थान के प्रबंधन, विधि एवं वाणिज्य के लगभग 270 छात्र-छात्राओं ने इस कार्यशाला में भाग लिया। अंत मे डॉ इंदिरा शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर चंदा गुलाटी ने इस अधिनियम की बारीकियों को बताया।





➤ Women's day is celebrated every year to cherish gender diversity in the institute.

➤ The Rotaract club of the institute successfully organized Anemia Camp under "Mission Pink Health" for girls on 13/1/2023. The camp also spread awareness about breast cancer.





A gender sensitization program was conducted on 13/01/2023 for all the staff and faculty by Dr Garima Mathur.



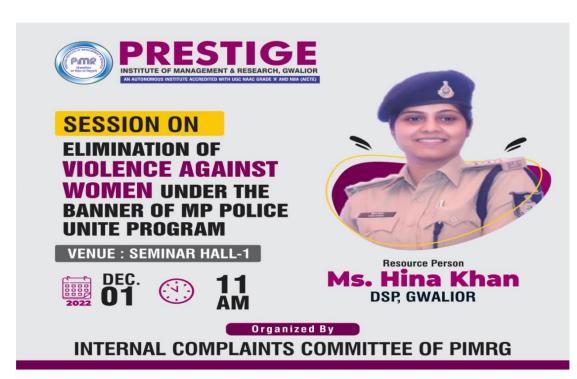
➤ On 05/11/2022, Seminar on "Awareness on Inappropriate Behaviour" was conducted online. The resource person was Ms. Aditi Sharma, HR Manager, ISWP. Attended by a thoughtful audience of 100 students, the session aimed to create awareness and educate participants on recognizing and addressing inappropriate behavior in various contexts. The event facilitated an insightful dialogue led by experts, fostering a culture of respect and sensitivity within the academic community.







➤ Session on Elimination of Violence against Women under the Banner of MP Police Unite Program was organised on 01/12/2022 in which the speaker was Ms Hina Khan, DSP, Gwalior.





महिला हिंसा उन्मूलन के लिए पुलिस ने चलाया स्कूल-कॉलेजों में अभियान

# लैंगिक समानता के लिए हिंसा और भेदभाव को समाप्त करना बेहद जरूरी है: हिना खान

बीकुमा संवाददाता **ः** म्वालिवर

पुलिल अध्येक्क ग्वालियर के निर्देश पर जिले में और, पुलिस अध्येक्क शहर (मध्य/यातायात) ग्वालियर मृगाख्ये डेका, भापुने के मार्गदर्शन में डीएसपी मंडिला सुरक्षा शाख्या ग्वालियर हिना खान के द्वारा लगातार मंडिला हिंसा उन्मूलन हेतु जायककता करायक्रम आंगीजित किये जा रहे हैं।

ह। डोएसचे महिला सुरक्षा शाखा ग्वालियर हिना खान ने शा. कन्य महाविद्यालय में लैंगिक सम्बन्ता के आधार पर देश में महिलाओं



के प्रति सभी प्रकार की हिंसा एवं भेदाशाव के उन्यूतन होतु छात्र-छात्राओं के साथ पर्य की दार्स प्रकार पेस्टीज ईस्टीट्यूट मैनेजमेंट महाविद्यालय में महिला हिंसा उन्यूतल जन-जगरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डीस्ट्राली महिला सुरक्षा शाख्या स्थालियर हिना खान हारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को बाताया गया कि समाजा में महिलाओं के बिकट्स विभिन्न प्रकार से हिंसा को जाती है जैसे घरेला हिंसा, कार्यस्थल पर मानसिक एवं शारीरिक प्रताहुन, कन्या भ्रण हत्या, रहेज के लोग में आकर समुराल पक्ष प्रारा परेशान करना, कामकाजी महिलाओं पर टिप्पणी करना, छात्राओं पर बातनीत करने के लिए दक्षन डालन, छेड़छाड़ करना आदि शामिल हैं।

हिना खान ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाये गये हैं लेकिन इसके लिये यूवा पीड़ी, समाज के सी वर्ष नी सरकारों संगठन एवं शासन के सभी विकास के साथ आकर साझा प्रयास करने के अध्यार पर देन में महिलाओं के प्रति सभी प्रकार की हिला में महामिखालप के लाज-जाजाओं के महामिखालप के लाज-जाजाओं हों महामिखालप के लाज-जाजाओं महामिखालप के लाज-जाजाओं को प्रसाद के मारे मंचा की महा प्रवाद प्रवाद के मारे मंचा की महा प्रवाद प्रवाद के मारे मंचा की महा प्रवाद प्रवाद प्रवाद के मारे मंचा की महा प्रवाद प्याद प्रवाद प



## डीबी स्टार ग्वालियर 03-12-2022

# महिला हिंसा उन्मूलन हेतु ग्वालियर पुलिस ने चलाया अभियान

# स्कूल और कॉलेज में विद्यार्थियों को दे रहे महिला हिंसा से बचने की जानकारी

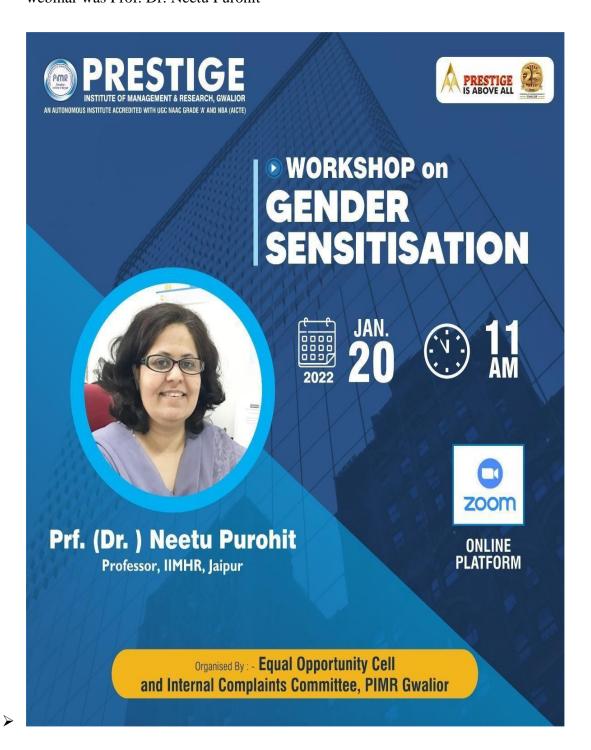
ञ्चालियर DBStar

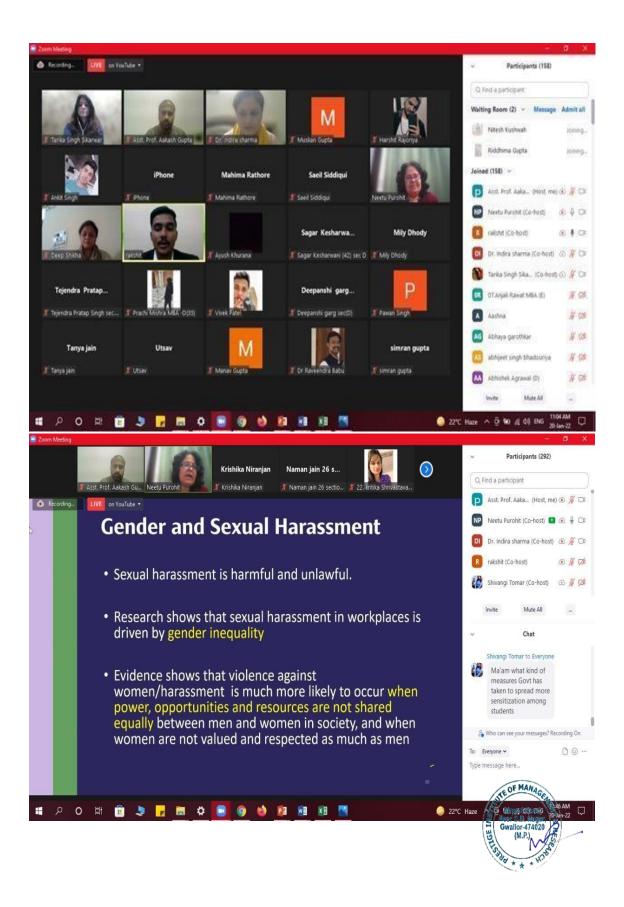
समाज में महिलाओं के साथ निरंतर आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। इसका मुख्य कारण है खामोशी। सबसे पहले महिलाओं को यह जानकारी होना आवश्यक है कि उनको क्या अधिकार मिले हैं। जब तक उन्हें यह पता नहीं होगा तब तक वह यह पता नहीं कर पाएंगी कि वह अपने इन अधिकारों का प्रयोग किस प्रकार कर सकती हैं। घरेल हिंसा, कार्यस्थल पर मानसिक एवं शारीरिक प्रताइना, कन्या भ्रुण हत्या. दहेज के लोभ में परेशान करना, कामकाजी महिलाओं पर टिप्पणी करना और छात्राओं के साथ छेडखानी। यह सभी अपराध की श्रेणी में आते हैं। इसलिए इनके खिला चुप्पी नहीं साधे, बल्कि जोरदार आवाज



उठाना चाहिए। जिससे इन अपराध को अंजाम देने के बारे में लोगों की गलत मानसिकता को खत्म किया जा सके। यह बात डीएसपी महिला सुरक्षा शाखा ग्वालियर की हिना खान ने कही। वह पुलिस मुख्यालय भोपाल की ओर से नेशनल जेंडर कैंपेन के अंतर्गत जानकारी दे रही थी।

इस कैंपेन का आयोजन 23 दिसंबर तक किया जाएगा। इस अभियान के दौरान शहर के स्कूल और कॉलेज में महिला हिंसा उन्मूलन पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पुलिस कर्मचारियों ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर महिला हिंसा के निदान पर भी चर्चा की। Another workshop was conducted on 20 th January 2022 on the topic "Gender Sensitization". The workshop addressed the critical mindset to open for Gender sensitivity to both boys and girls. The webinar was of 1 hour followed by the question and answers round. The resource person for the webinar was Prof. Dr. Neetu Purohit





➤ During the celebration of National Constitution Day on 26/11/2021, information about Equitable gender rights was provided to all the students.

> Students performed Nukkad Natak on gender issues in our society during spandan 2021.



➤ The National webinar on the topic "Deface the Acid Attackers: Resilience against Violence" on 30 Dec 2021 was organized in the association of National Commission for Women (NCW) New Delhi. The event acquainted the girls with the awareness of rehabilitation services for survivors while acting as advocates for social reform, increase support and awareness for acid assault.



- The institute conducted "Health and Hygiene" program on 23rd March 2021 which acquainted the girls and boys with the existing hygiene products and their related access and usability. Another workshop was conducted on 9th January 2021 on the topic "How to dress while address".
- ➤ Poster making on women's day ,08/03/2021 was organised to provide a platform for students to appreciate women's achievements and advocate gender equity.



A webinar on "Gender Inequality in India" was organised on 13<sup>th</sup> February 2021 in which "Vishakaha Guidelines "was discussed by Advocate Yash Sharma.



# प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान में वेबिनार

ग्वालियर® प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान की ओर से भारत में लैंगिक असमानता विषय पर वेबिनार हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस भाकर ने बताया कि समाज की मानसिकता में धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर गंभीरता से विमर्श किया जा रहा है। एडवोकेट यश शर्मा ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रगति के बावजूद वर्तमान भारतीय समाज में पितृसत्तात्मक मानसिकता जटिल रूप में व्याप्त है। इसके कारण



महिलाओं को कई क्षेत्रों में सामाजिक और पारिवारिक रूढियों के कारण विकास के कम अवसर मिलते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व का पूर्ण विकास नहीं हो पाता है।

## नवभारत ग्वालियर,रविवार 14 फरवरी, 2021



# गिक असमानता

नवभारत न्यूज

नवभारत न्यून

ग्वालियर, 13 फरवरी। आज
प्रेस्टीज प्रजंधन संस्थान एण्ड रिसर्च, ग्रजंधन संस्थान एण्ड रिसर्च, ग्रजंधन ह्या धारत में लींगक असमानता विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबांनार की अध्यक्षता कर रहे प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान एण्ड रिसर्च, ग्वालियर के निदेशक डॉ. एस. एस. भाकर ने बताया कि इस महत्वपूणी विषय पर वेबीनार कराने का मुख्य उद्देश्य संस्थान में पढ़ रहे छात्र, छात्राओं को लींगक समानता के बारे में जागरूक करना था। डॉ. भाकर ने कहा कि हालांकि समाज की मानियकता में धीर धीर परिवर्तन आ रहा है जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर गंभीरता से बमर्ग किया जा रहा है एवं लींगक असमनता को दूर करने के लिये कानूनी प्रावधानों के अलावा महिलाओं की सक्रियता भी

विधिन्न को मैं आज बहुतायत में देखने को मिल रही है।
आज के इस वेबीनार में अतिथि विध्वने को मिल रही है।
आज के इस वेबीनार में अतिथि विध्वने के रूप में पथारे एडकोकेट व्या शर्मा, विशेषण्ट अधिवक्ता मध्यप्रदेश सरकार खण्डपीत, खालियर ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक प्रगति समाज में चितुसत्तात्मक मानसिकता जटिल रूप में व्याप्त है इसके कारण महिलाओं को कई क्षेत्रों में सामाजिक और पारिवारिक रुदियों से सामाजिक और पारिवारिक रुदियों के कारण विकास के कम अवसर मिलते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व अपनी ने मुख्यप्रदेश से विशाखा गाइडलाइन्स का उत्तरों को लाते हैं। जो शर्मा ने मुख्यप्रदेश से विशाखा गाइडलाइन्स का उत्तरों बता करते हुए कार्यस्थल पर लीनक दुर्व्यवहार एवं चीन शीवण जैसे विवाय पर भी प्रकाश डाला और वताया कि इस गंधीर कृत्य के उपचार स्वरूप कीन कान से कानून चलन में है।

इस अवसर पर इक्वल अणांच्युनिटी सेल की समन्विस्का डॉ. तारिका सिंह सिकरवार ने बताया कि प्रेस्टीज प्रबंधक संस्थान इस इसी कड़ी में अन्य विषयों पर भी कार्यक्रम निकट भविषयों में आयोजित किसे जारेंगे, जिससे महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जानरक किया जा सकेगा। आज के वेबीनार के समन्वयक श्री आकाश गुप्ता ने बताया कि छात/छात्राओं ने बादी संख्या में सहभागिता देकर लैंगिक असमानता विषय पर आवश्यक जानकारी प्राप्त की एवं अपनी जिज्ञासाओं को प्रश्न के माध्यम से पूछकर उनका समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान एण्ड रिसर्च, खालियर के समस्त प्राध्यापकरण, छात/ छात्राओं एवं मीडिया प्रभागे डॉ. नंदन वेलाणकर उपस्थित रहे।

- ➤ To promote gender equality, Government of India envisages engagement of Gender Champions in all colleges. Appointment of the Gender Champion was conducted in the institute, the process of flotation of application forms started on 20th February 2020 and the selection of gender champion was announced on 6th June 2020.
- ➤ The "Fight Violence Against Women Poster Making" activity, held in collaboration with the Rotaract Club of Prestige on November 30, 2020, aimed to raise awareness about the critical issue of violence against women. Through artistic expression, participants sought to convey powerful messages advocating for the eradication of violence against women. The activity aimed to amplify the voices against gender-based violence.



➤ A poster making competition on the Theme #Knock down Domestic Violence was organised on 30/05/2020 in which both genders participated actively.

➤ On 13<sup>th</sup> March 2020, a seminar on "Awareness of Women's Rights "was organised by the institute in which issues like domestic violence and property rights were discussed. The chief guest of the program were Smt. Suman Gurjar, ASP, Gwalior and Mr. D K Dixit, Head, Child welfare Society.



Also, an awareness program on "Improving women's health-challenges, access and Prevention" was conducted on 27/02/2020 which was attended by 200 participants.



- ➤ During the academic year 19-20, Know Your Rights was conducted on 09/09/2019 in which 244 female participants actively participated.
- ➤ A gender equity awareness program was conducted 01/10/2019 where rights at work for women were discussed. This program was done in collaboration with ITC-Vivel under the campaign run by ITC vivel #absamjhautanahi. The speaker was Ms Richa Chadda from Vivel, New Delhi.

नवभारत

ज्वालियर, बुधवार, 2 अक्टूबर, 2019

# ाला में बताए महिलाओं के अधिक

नवभारत न्यूज

रवालियर 1, अक्टूबर। आज प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर की इक्वल अपॉर्च्युनिटि सेल एवं आई.टी.सी. विवेल के संयुक्त तत्वाधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया जात हो. इस कार्यशाला में वक्ता सुश्री रिचा चढढा, आई.टी.सी. विवेल, नई दिल्ली ने कार्यशाला में उपस्थित छात्र/छात्राओं को महिलाओं को प्राप्त अधिकारो एवं उनसे जुडे कानून के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने अपनी बात रखते हुए कई केसेस भी बताए जिनका संबंध महिलाओं से ज्डे हुये विभिन अधिकारों से वास्ता रखते है। सुश्री रिचा ने कार्यशाला के दौरान कई विषयो पर प्रकाश डाला जिनमें कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन



शोषण एवं दुव्यवहार, धारा ३७७ की संवैधानिकता, धारा ३५४. । धारा ५०९ की बारिकीया, घरेलू हिंसा से जुड़े कानून एवं आयोजन का उद्देश्य आकाश गुप्ता ने अतिथि वक्ता को महिलाओं को मिलने वाले साम्पत्तिक अधिकार आदि शामिल है।

प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर के निदेशक डॉ. एस.एस. भाकर ने

कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम संस्थान मे अनवरत रूप से किये जाते रहे हैं एवं इस कार्यशाला के छात्र/छात्राओं को अधिकारों के प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान, प्रति जागरूक करना था।

युवाओं में उनको प्राप्त अधिकारों

एवं कर्तव्यों को लेकर भ्रामक स्थिति व्याप्त है। आज की कार्यशाला से निश्चित ही छात्र/छात्राओं को इस विषय पर सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हुई एवं साथ ही उन्होंने अधिकारों का सही दिशा में प्रयोग करने एवं कर्तव्यों के निवंहन को लेकर शपथ भी ग्रहण की।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. वाणी अग्रवाल ने सदन का आभार व्यक्त करते हुये उपस्थित अतिथिगणों, प्राध्यापकगणों को धन्यवाद प्रेषित किया एवं प्रो. ग्वालियर की ओर से स्मारिका इक्वल अपॉर्च्यनिटि सेल की भेट की। इस अवसर पर संस्थान कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रहे कार्यवाहक अधिकारी प्रो. तारिका के समस्त प्राध्यापकगण, स्टॉफ सिंह सिकरवार ने कहा कि आज सदस्य एवं मीडिया प्रभारी डॉ. नंदन वेलणकर उपस्थित रहे।



गालयर, बुधवार २ अवटूबर २०१९

## पेस्टीज प्रबंधन संस्थान में कार्यशाला का आयोजन अपने अधिकारियों के प्रति हमेशा रहें जागरूक



रे में विस्तार से बताया। उन्होंने पनी बात रखते हुए कई केसेस भी तए, जिनका संबंध महिलाओं से हें हुए विभिन्न अधिकारों से वास्ता

प्रकाश डाला, जिनमें कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन शोषण एवं महिलाओं का योन शायण एव दुर्व्यकार, धारा 377 की सवैधानिकता, धारा 354, धारा 509 की बार्विकयां, घोरा, हिस्सा से जुड़े कानून एवं महिलाओं को मिलने वाले साम्पर्तिक अधिकार आदि शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्थान के निरंशक डॉ. एस.एस. भाकर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम संस्थान में अनवरत रूप से किए जाते रहे हैं एवं इस कार्यशाला के आयोजन का

के प्रति जागरूक करना था। सेल की कार्यबाहक अधिकारी प्रो. तारिका सिंह सिकरवार ने कहा कि आज युवाओं में उनको प्राप्त अधिकारी एवं व्याप्त है। आज की कार्यशाला से निश्चित ही छात्र/छात्राओं को इस विषय पर सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हुई होगी। उन्होंने अधिकारों का सही दिशा में प्रयोग करने एवं कर्तव्यों के निवंहन को लेकर शपथ भी दिलाई। डॉ. वाणी-अग्रवाल ने आभार

➤ On Women's day, 2019 (08/03/2019), the institute organised a talk show on women empowerment in which a total number of 95 participants (70 females) expressed and discussed their views and solutions on the topic. The Speakers were Mrs. Anjali Batra(Zonal President of Gupta & Batra) and Dr Roza Olyai (Gynecologist)



➤ On 16<sup>th</sup> February 2019, the institute conducted a seminar on Awareness of Sexual Harassment at workplace was conducted in which students and faculty were made aware about the issues at workplace and how it should be handled. Advocate Yash Sharma addressed the gathering.





ज्यालियर | प्रेस्टीज प्रबंधन संस्थान में कार्यस्थल पर यौन शोषण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस भाकर ने की। उन्होंने बताया कि इस ज्वलंत विषय पर आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य संस्थान में पढ़ रहे छात्र- छात्राओं को जागरूक करना है। इस अवसर पर अतिथि वक्ता एडवोकेट यश शर्मा रहे। उन्होंने इस समस्या से जुड़े कानृनों के बारे में जानकारी दी।

#### **Evidence of Success:**

Evidence of successes for gender inclusion can be observed through various indicators and outcomes that demonstrate positive changes in the institution's environment. These successes are typically based on successful conduction of workshops.

Active participation of both the genders in activities conducted at the institute, Safe and inclusive classrooms are a result of gender inclusivity. Higher rates of retention and advancement of women within the organization show that gender inclusion efforts are creating an environment where female employees can thrive and progress in their careers.

### **Problems Encountered/Resources Required:**

- Talks on Gender inclusion, POSH and Gender sensitivity have always remained a taboo in the society as well as workplace. Initially, Faculties, staff and students were hesitant to talk about these issues.
- Identifying well trained POSH and Gender sensitivity trainers was an issue.